बंजर पहाड़ों को हरेला वन क्षेत्र बनाएंगे

अतिवृष्टि, आपदा के कारण मिट्टी में पौष्टिकता कम होने से बंजर हो रहे पहाड़ों पर हरेला वन क्षेत्र विकसित किया जाएगा। हरेला पर्व पर जन सहयोग से ऐसे पहाड़ों पर पौधरोपण किया जाएगा। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने अपने शाखा प्रभारियों को निर्देश दिया है कि घर-घर जाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण की प्रति जागरूक करें और हरेला पर्व को उत्साह के साथ मनाएं।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पूरे प्रांत में 16 से लेकर 21 जुलाई तक हरेला पर्व मनाएगा। प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि शाखा स्थलों के चारों तरफ पौधरोपम अनिवार्य रूप से कराया जाए। सभी शाखाओं को विभिन्न प्रकार के फलदार और छायादार पौधों की व्यवस्था करने के लिए कहा गया हैं। शाखाएं वन विभाग, उद्यान विभाग और निजी नर्सरियों से पौधों की व्यवस्था करेंगी। हरेला को जन पर्व के रूप में मनाया जाएगा।

संघ के प्रांत प्रचारक युद्धवीर सिंह ने बताया कि बंजर भूमि और पहाड़ों पर पौधरोपण का विशेष अभियान चलाया जाएगा। शहरी क्षेत्रों में भूमि कम है। इससे लोगों से अनुरोध किया गया है कि बंगलों में खाली जगहों पर पौधे रोपें। नदियों के किनारे, निर्जन क्षेत्रों में खाली पड़ी भूमि पर भी पौधे रोपे जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि हरेला की योजना बना दी गई है। स्वयं सेवकों की टोलियां गांवों और मोहल्लों में जाकर लोगों को पौध रोपने के प्रति प्रेरित करेंगी और उन्हें पर्यावरण संरक्षण की महत्ता बताएंगी।

अमर उजाला (देहरादून),7 July 2016